



दो साल में भी नहीं बना सुहार नदी पर नया पुल

बरसात के चार महीने फिर परेशान होंगे क्षेत्र के हजारों ग्रामीण

समयावधि में पुल का निर्माण कार्य न होने पर विधायक ने बताया रोष, महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग

कटनी। बहोरीबंद-बचैया मार्ग पर ग्राम ककरहटा से होकर गुजरी सुहार नदी पर दो साल में भी पुल का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है, जिसके चलते इस साल भी बारिश के दिनों में क्षेत्र के हजारों लोगों को आवागमन में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। दो साल पहले बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडे की पहल पर पुल निर्माण स्वीकृत किया गया था। वर्ष 2019 में पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था, जो दो सालों बाद भी पूरा नहीं हो सका है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार बहोरीबंद विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम सिंदुरसी से बचैया मार्ग के बीच ग्राम ककरहटा में सुहार नदी पर चल रहे पुल का निर्माण कार्य अब तलक पूरा नहीं हो सका है। समय अवधि में पुल का निर्माण कार्य नहीं होने पर बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडे ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है। विधायक श्री पांडे ने निर्माण एजेंसी का टेंडर निरस्त करने व ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही है।

बरसात के दिनों में परेशान होते हैं ग्रामीण

गौरतलब है कि बहोरीबंद विकासखण्ड को ग्राम पंचायत ककरहटा में सुहार नदी पर बने पुल की ऊंचाई ज्यादा नहीं है। जिससे हर वर्ष वर्षाकाल के समय सुहार नदी उफान पर आ जाती है। जिसके चलते यहां के वाशियों को 4 महीने तक घरों में कैद होने विवश होना पड़ता है। विदित हो कि वर्ष 2019 में ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय विधायक से पुल निर्माण की मांग की थी। जिस पर विधायक ने पुल निर्माण कार्य करने के लिए पीएमजीएसवाई को पत्र लिखा था। विधायक के पत्र के बाद पीएमजीएसवाई के द्वारा ककरहटा पुल निर्माण कार्य के लिए कार्ययोजना बनाई, जिससे पुल कार्य की शुरुआत 26 अक्टूबर 2019 को की गई थी, जिसका निर्माण कार्य 25 अप्रैल 2021 को पूर्ण हो जाना था। पुल की लंबाई 51.86 मीटर व लागत 152 लाख रुपए थी।

100 प्रतिशत वैक्सिनेशन कर सीएम की सराहना अर्जित की थी ग्रामीणों ने

बताया जाता है कि बहोरीबंद रूपनाथ बचैया मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत ककरहटा, जिसके ग्राम बहोरी ने प्रदेश में 100 प्रतिशत वैक्सिनेशन करकर नाम रोशन किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ग्राम के लोगों की सराहना की थी। उसी ग्राम ककरहटा में सुहार नदी में बाढ़ आने पर छोटा पुल डूब जाया करता है। जिससे एक बड़ा हिस्सा तहसील एवं जिले से कट जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के पहले पुल का निर्माण हो जाता तो उन्हें इस वर्षाकाल में परेशान नहीं होना पड़ता। पुल निर्माण 25 अप्रैल तक पूर्ण होना था, जो अब तक नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने कहा कि बरसात शुरू होने के पहले यदि कार्य में तेजी लाई जाए तो पुल का निर्माण पूरा हो सकता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ठेकेदार अत्यंत ही धीमी गति से कार्य कर रहा है। निर्माण के लिए पुराना पुल तोड़ दिया गया है। बरसात में लोगों का क्या होगा।

शादियों में मिले 200 लोगों की अनुमति



कटनी। टेंट लाइट व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों ने व्यापार में आ रही परेशानियों को मध्यप्रदेश शासन तक पहुंचाने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर प्रियंक मिश्रा से मुलाकात की तथा विभिन्न बिंदुओं पर बातचीत करते हुए निराकरण की अपेक्षा की। जिसमें प्रमुख रूप से शादी ब्याह में वर एवं वधु पक्ष की तरफ से 100-100 व्यक्तियों को शामिल होने की अनुमति व विभिन्न शादी ब्याह व अन्य आयोजन स्थलों पर स्थान क्षमता का 50 प्रतिशत लोगों की उपस्थिति के साथ कार्यक्रम करने का निर्देश जारी करने पर चर्चा की गई, इसके अलावा कोविड-19 में विभिन्न टेंट व्यवसायियों को हुए आर्थिक नुकसान की पूर्ति अनुदान या टैक्स छूट के रूप में प्रदान किए जाने की बात रखी गई। बस स्टैंड व्यापारी संघ के अध्यक्ष वेंकट गौर द्वारा बस स्टैंड दुकानदारों को कोविड-19 में पिछले दो माह में व्यापार बंद रहने के कारण हुए आर्थिक नुकसान

से नगर निगम द्वारा मासिक शुल्क के रूप में लिया जाने वाला दुकान किराया को माफ किए जाने की बात कही गई। मिशन चौक ओवर ब्रिज के नीचे सीवर लाइन निर्माण में हो रही देरी के

टेंट व्यवसायियों ने की कलेक्टर से मुलाकात, शहर की अन्य समस्याओं पर चर्चा

कारण अधूरी सीसी रोड के कारण जनता को हो रही तकलीफों पर विस्तार से चर्चा की, इसके अलावा चांडक चौक से घंटाघर जुहला रफटा मार्ग पर यातायात के दबाव को देखते हुए चांडक चौक से घंटाघर तक मार्ग के पेंच वर्क रिपेयर

की मांग की गई। इस मार्ग को वन वे घोषित करते हुए इस के समांतर स्थित आजाद चौक, झंड बाजार मार्ग पर एक तरफ से आना एक तरफ से जाना दुपहिया एवं तिपहिया चार पहिया वाहनों को प्रारंभ किए जाने की मांग रखी। कलेक्टर ने चर्चा के दौरान सभी बातों को सकारात्मक ढंग से सुनकर परीक्षण कराते हुए मंजूर किए जाने की बात कही। इस प्रतिनिधि मंडल में पूर्व विधायक सुकीर्ति जैन, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष दिव्यांशु अंशु मिश्रा, लोकार्नाटिक जनता दल के ग्रामीण अध्यक्ष प्रेम प्रकाश दीक्षित, शहर अध्यक्ष राजेश नायक सौरभ, वेंकटेश गौर, कटनी टेंट लाइट के राजेश रजक राजू, राजू खनुजा, हेतराम गुप्ता, हरचरण सिंह खनुजा, संजय सरावगी, बबलू राव, मतीन खान, जितू निषाद, अंकित सोनी, बलदाऊ सोनी, मनोज निगम अध्यक्ष मानसरोवर विकास समिति व अन्य लोग उपस्थित रहे।



पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्यामाचरण उपध्याय के मार्गदर्शन में रविवार 13 जून को साईकिल रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह रैली जिला एवं सत्र न्यायालय कटनी से प्रारंभ कर न्याय निकुंज, करहिया, बड़ागांव, पिपरिया होते हुये ग्राम घुघरा तक आयोजित की गई। इस रैली के माध्यम से न्याय निकुंज से घुघरा तक सम्मिलित ग्रामवासियों को कोरोना महामारी के संक्रमण की रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाने, स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिये सुझाव एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करने का कार्य किया गया। इस अवसर कोरोना वायरस संक्रमण

से बचाव हेतु शासन द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का पालन करें एवं टीकाकरण अभियान में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई। ग्राम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया साईकल रैली का आयोजन पंचायत बड़ागांव में आयोजित शिविर में मनीष कौशिक जिला विधिक सहायता अधिकारी ने नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे मध्यस्थता, निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता, लोक अदालत, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्रदान की। साथ ही ग्राम वासियों को कोरोना महामारी

से बचाव हेतु टीकाकरण के साथ-साथ मास्क एवं सेनेटाइजर अथवा साबुन से हाथ धोने तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने हेतु समझाईश दी गयी। पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुये जिला न्यायालय परिसर एवं न्याय निकुंज हेतु लगभग 100 फलदार वृक्ष घुघरा नर्सरी से त्रय कर वृक्षारोपण किये गये। उक्त साईकल रैली के माध्यम से आयोजित पर्यावरण संरक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर में प्रधान न्यायाधीश फेमिली कोर्ट आर.पी. सोनी विशेष न्यायाधीश, संजीव कुमार पाण्डेय, अनिल कुमार, अभिषेक सिंह, राजेश कुमार, सुर्यप्रकाश शर्मा, दिनेश कुमार नोटिया एडीजे, इंदुकांत तिवारी सीजेएम, श्रीकृष्ण बुखारिया, मुदित लटोरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

कोरोना काल में तनाव दूर करने हुए मनोरंजक कार्यक्रम

सुदर्शना की शानदार पहल, अंताक्षरी गायन में महिलाओं ने पेश किए गीत

कटनी। सुदर्शना संस्था ने एक सजग योद्धा की भूमिका का निर्वहन विगत 2020 अप्रैल से निरंतर किया है और कर रही है। अपने वृहद परिवार के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का पूरा पूरा ख्याल रखा है और सबकी ऊर्जा उत्साह को बनाये रखा है। कोरोना महामारी के चलते सभी के दिल दिमाग में एक अनदेखा भय डर और तनाव चलता था। प्रोटोकाल के चलते घर में बंद महिलाओं, बच्चों, युवतियों को इस तनाव से दूर रखने और ऊर्जा उत्साह वृद्धि माहौल बनाये रखने के लिये संस्था अध्यक्ष मीरा भार्गव द्वारा प्रति सप्ताह सुंदर और मनोरंजक स्वास्थ्यवर्द्धक कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित किये गए और यह क्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में कल सुदर्शना द्वारा शानदार अंताक्षरी गायन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 3 राउंड में सम्पन्न हुये इस कार्यक्रम की थीम बरसात थी। कार्यक्रम के प्रथम चरण में माँ सरस्वती का पूजन माल्यार्पण संस्था अध्यक्ष सुश्री मीरा भार्गव द्वारा किया गया। संस्था की प्रार्थना श्रीमती अनीता सिजारिया और सरस्वती वन्दना डॉ अनुपमा भार्गव द्वारा की गई। इसके बाद भक्ति गीत मधुराष्टक की बहुत ही मधुर प्रस्तुति मनीषा त्रिसोलिया द्वारा की गई। दूसरे चरण में अंताक्षरी का बहुत ही सुंदर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बरसात की थीम पर सबने बादल बिजली घटा बारिश के गीत गा कर सीजन की प्रथम बरखा का स्वागत किया। इस शानदार और रोचक कार्यक्रम का सुंदर संचालन श्रीमती सीमा नाहर और श्रीमती मीना शर्मा द्वारा किया गया। सबकी प्रस्तुति बहुत ही सुंदर एक से बढ़कर एक रही। अंताक्षरी में अन्नू स्यावगी, अंजली सोनी, वन्दना बर्गडिया, अलका अग्रवाल, दीपाली गुप्ता, नीतू गुप्ता, सोनल सचदेवा, विभा कंडेले, दीप्ति अग्रवाल, रूबी बरसेना, कान्ता सचदेवा, प्रियंका गुप्ता, सीमा नाहर, अनुपमा भार्गव, मीना शर्मा, तनु गुप्ता, अनीता सिजारिया, पूजा तनवानी, रागिनी मित्रल, शांति शर्मा, सरिता बजाज की प्रस्तुतियां रहीं। लगातार 2 घण्टे तक चले इस कार्यक्रम का सभी ने घर बैठे भरपूर आनन्द लिया।



सतर्क रहें मलेरिया से, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

कटनी। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ मच्छर जनित रोग मलेरिया की भी संभावनाएँ होने लगी हैं। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मलेरिया परजीवी का संक्रमण संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर रूके हुए साफपानी में पैदा होता है, घर के आस-पास कहीं भी खुले स्थान पर पानी एकत्रित न होने दें। प्रदेशवासियों से कहा गया है कि हर सप्ताह कूलर, पानी की टंकी आदि को खाली कर सफाई करें। ऐसे स्थान जहाँ पानी की निकासी संभव न हो और अनावश्यक जल भराव हो वहाँ केरोसिन या जला हुआ तेल डालें। मच्छरदानी लगाकर सोएँ। खिड़कियों और दरवाजों पर मच्छरों को रोकने के लिये जाली लगायें। पूरी बाँह के कपड़े पहनें। मलेरिया के लक्षणों में ठंड लगकर तेज बुखार आना, पसीना आकर बुखार उतर जाना, रुक-रुक कर बुखार आना, सिर दर्द और उल्टी होना तथा बैचेनी, कमजोरी, सुस्ती महसूस होना शामिल है। मलेरिया के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल शासकीय स्वास्थ्य संस्था अथवा आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर खून की जाँच करवायें।



श्रीराम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
आदर्श कॉलोनी, मेन रोड, नई बस्ती, कटनी 483501 (म.प्र.)
फोन : 07622-408444, 409444 मोबा. 8982275111, 8982275222, 8982275333

डॉ. बलदेव सिंह MD (GENERAL MEDICINE) फ़ैमली फ़िज़िशियन
पूर्व चिकित्सक अपोलो हॉस्पिटल
हृदय, छाती, गुर्दा एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ

डॉ. गगन सोनी BDS डेंटल सर्जन
कटनी के सुप्रसिद्ध
दंत एवं मुखा रोग विशेषज्ञ

डॉ. अनुराग खरे MD (ENT) कर्नाटकीय अस्पताल, कटनी
डॉ. कनिष्क अग्रवाल MBBS, DNB (ऑर्थोपेडिक) एम.एस. (ऑर्थोपेडिक) एम.एच. (ऑर्थोपेडिक)
डॉ. जाकिर हुसेन MBBS, MD (DM) अंतर्गत रोग विशेषज्ञ
डॉ. अनिमेष गुप्ता MBBS, MD (DM) 898 रोग विशेषज्ञ

उपलब्ध विभाग
● हृदय रोग विभाग
● स्त्री रोग विभाग
● स्त्री एवं प्रसूति विभाग
● दंत रोग विभाग
● हड्डी रोग विभाग
● त्वचा एवं संतर्पण विभाग

हेल्पलाइन नं. 8982275111
● नित्य रोग विभाग
● नसिक रोग विभाग
● ट्यूमा विभाग
● कैंसर विभाग
● फिज़ियोथेरेपी विभाग
● प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक सर्जरी

उपलब्ध सुविधाएँ
● नार्मल डिलीवरी
● सीज़ेरियन डिलीवरी
● सोप्रोस्कोपिक सर्जरी
● जनरल सर्जरी
● आर्.सी.यू. हॉल

● सेमी. प्रायवेट वार्ड
● जनरल वार्ड
● सोनोग्राफि और परेनल चिप्टर
● हेयर ट्रांसप्लांट

मती मरीजों के लिए निःशुल्क मोजन की व्यवस्था

रतनगांव स्टेशन से बिना टिकट सफर करते हैं यात्री

स्टेशन बनने के बाद आज तक नहीं बनाया गया टिकट काउंटर

कटनी। कटनी-बीना रेल सेक्शन के सगौनी व सलैया रेलवे स्टेशनों के बीच घनघोर जंगल में रतनगांव रेलवे स्टेशन है, जिसकी सीमा तीन जिलों पन्ना, कटनी व दमोह से लगी है। इस स्टेशन के कारण यह कहा जाता है कि पन्ना जिले की सीमा से भी रेल गुजरती है। तीन जिलों को जोड़ने वाले स्टेशन पर आज तक टिकट नहीं मिलती है। न ही यहां कोई टिकट काउंटर बनाया गया है।

सगौनी व सलैया रेलवे स्टेशनों के बीच 18 किलोमीटर की लंबी दूरी होने के कारण रेल प्रशासन के द्वारा रतनगांव को रेलवे स्टेशन बनाया गया था लेकिन इस स्टेशन से कटनी से दमोह, सागर, बीना की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को आज भी वगैर टिकट यात्रा करनी पड़ती है। स्टेशन के आसपास बसे गांवों के लिए पहले दो पैसेंजर ट्रेनों की सुविधा थी। वर्तमान में मेमू ट्रेन यहां रुक रही है। रेलवे स्टेशन से 4 किलोमीटर दूर नयागांव कटनी जिले में आता है। 3 किलोमीटर दूर

जामुन ढाक पन्ना जिले की सीमा में बसा हुआ है। वहीं स्टेशन से 5 किलोमीटर दूर मझौली व 10 किलोमीटर दूर कालाकोट गांव घनघोर जंगल के बीच बसे हुए हैं। इसी गांव के नाम से रेल पुल भुजा का नाम रखा गया है। इन तीन जिले दमोह, कटनी, पन्ना के लोगों का रतनगांव स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन से सफर करने के लिए आने-जाने का एकमात्र साधन है। आज तक किसी भी मुख्य सड़क मार्ग से इन गांवों को नहीं जोड़ा गया। जामुन डाल गांव के मिलन सिंह व दरबारी सिंह ने

बताया कि रेलवे स्टेशन से गांव तक जाने वाले रास्ते पगडंडी तो हैं ही साथ ही घनघोर जंगल के बीच में बने हुए। जिससे इस जंगल में रीढ़ तेंदुआ सहित हिंसक प्रजाति के वन्यजीव रहते हैं। मझौली गांव के गणेश, बिहारी सिंह, रामू, बिरजू, हल्लू आदिवासी ने बताया कि आने जाने के लिए सिर्फ और सिर्फ पैसेंजर ट्रेनों का ही सहारा है। मजदूर वर्ग के लोग जंगल से लकड़ियां काटकर पैसेंजर ट्रेनों से ले जाकर कटनी-दमोह ले जाकर बेचते हैं।



सलैया या सगौनी से लेते हैं टिकट

रतन गांव स्टेशन से वगैर टिकट चढ़ने वाले यात्री दमोह या कटनी में पकड़े जाने के डर से सगौनी या सलैया स्टेशन पर ट्रेन से उतरकर दौड़ लगाकर टिकट लेने जाते हैं। जो टिकट नहीं ले पाते हैं वह पकड़े जाते हैं तो उन्हें जुर्माना भरना पड़ता है। रेल कर्मचारी बताते हैं कि यहां एक बार टिकट सेवा शुरू की गई थी लेकिन उसका खर्च भी नहीं निकल रहा था, जिससे टिकट सुविधा बंद कर दी गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के लिए आशा कार्यकर्ताओं ने संभाला मोर्चा



कटनी। कोविड-19 के संक्रमण से आमजन को बचाने तथा इससे बचाव के प्रति उनमें जनजागरूकता लाने विभिन्न स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में जिलास्तर से ग्रामस्तर तक पदस्थ शासकीय अमले द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही लोगों के घरों तक उनसे संपर्क कर उन्हें परामर्श, कोविड पॉजिटिव को दवाओं का वितरण सहित स्वास्थ्य विभाग व गृह विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के परिपालन में फील्ड पर सक्रिय होकर अपने दायित्वों के निर्वहन में जुटे हुये हैं। अपने गांव में लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में आशा कार्यकर्ता अनीता मेहरा भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डीमरखेडा तहसील के अंतर्गत ग्राम पिपरिया सहलावन की आशा कार्यकर्ता अनीता मेहरा के द्वारा बाहर से गांव में वापस

आये लोगों के साथ संवाद, परामर्श एवं होम कोरेन्टीन लोगों के साथ किये जा रहे अच्छे व्यवहार लगातार सम्पर्क किया जा रहा है। साथ ही कोविड संक्रमित व्यक्तियों को भी सतत् रूप से संपर्क, परामर्श, समझाईश एवं उनके मनोबल को बढ़ाने, उन्हें सम्बल देने का कार्य भी बखूबी कर रही हैं। आशा कार्यकर्ता अनीता ने अपने अनुभव साझा करते हुये बताया कि एक महिला पार्वती चौधरी पति लटोरी चौधरी उम्र 45 वर्ष दिल्ली से वापस अपने घर आई थी। इनकी कोविड जांच करवाने पर वह कोविड संक्रमित पाई गई। परन्तु महिला द्वारा अपने आप को संक्रमित मानने को तैयार नहीं थी। उसके परिवार के द्वारा स्वास्थ्य



कार्यकर्ताओं एवं सचिव को सहयोग नहीं किया गया। तब इसकी सूचना पुलिस एवं तहसीलदार को दी गई। उनकी समझाईश पर परिवार झारटिन होने को तैयार हुआ। परन्तु संक्रमित होने की सूचना पाते ही महिला अपने रिश्तेदार के यहां अमोच ग्राम जा चुकी थी। अब आशा कार्यकर्ता अनीता मेहरा एवं पार्वती चक्रवर्ती द्वारा यह सूचना आशा सहयोगी अनुजा दुबे को दी गई। आशा कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगी द्वारा उक्त महिला के आस-पड़ोस से अमोच के रिश्तेदार का मोबाईल नम्बर पता कर सक्रमित महिला से सम्पर्क किया गया और उससे चर्चा कर ग्राम पिपरिया आने के लिये समझाईश दी गई। सक्रमित महिला शाम

तक वापस अपने ग्राम आ गईं। वापस आने पर उसे कोविड मेडिसिन किट आवश्यक दवाएँ के साथ झारटिन किया गया। अब वह महिला पूर्ण रूप से स्वस्थ है। इस पूरी घटना में आशा एवं आशा सहयोगी के त्वरित प्रयास से महिला जिस रिश्तेदार के यहां गईं तुरंत वापिस आने से वह परिवार भी संक्रमित होने से बच गया। स्वयं महिला को वापिस ग्राम आने पर झारटिन किया गया, तत्काल आवश्यक दवाएँ, मेडिसिन किट देकर उसे कोविड देखभाल, खानपान की जानकारी एवं उसे इससे लड़ने सम्बल, सहायता, मनोबल बढ़ाया गया। जिससे आज महिला पूर्ण रूप से स्वस्थ है एवं आशा एवं आशा सहयोगी को इस प्रयास एवं समझाईश देने, फोन कर वापिस बुलाने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद दे रही है।



महाकौशल इंडस्ट्रीज में हुआ टीकाकरण

औद्योगिक इकाईयों में कार्यरत 200 लोगों ने लगवाई वैक्सीन
कटनी। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कटनी एवं जिला उद्योग संगठन कटनी के संयुक्त तत्वाधान में औद्योगिक क्षेत्र बरगवा में स्थित इकाई महाकौशल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में कोविड-19 वैक्सीनेशन सत्र का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत इकाईयों में कार्य करने वाले श्रमिक और कर्मचारियों को वैक्सीनेशन किया गया। इस विशेष वैक्सीनेशन कैम्प में महाकौशल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, अजय फूड प्राइवेट लिमिटेड, गुरु नानक प्लास्टिक इंडस्ट्रीज गुरु नानक प्लास्टिक धर्म लोक इंडस्ट्रीज अतिरिक्त बहुत सी अन्य इकाईयों के श्रमिकों ने आकर कोरोना वैक्सीन का प्रथम या द्वितीय डोज लगवाया। इस वैक्सीनेशन कैम्प में कुल 200 लोगों को कोविड-19 का टीकाकरण किया गया। वैक्सीनेशन कैम्प के आयोजन में जिला उद्योग संगठन के अध्यक्ष मनीष गेथी, जिला रिफ्रैक्टरीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद गुगुलिया, हॉस्पिटल का स्टाफ और जिला व्यापार उद्योग केंद्र के कर्मचारियों ने सहयोग दिया।

अफवाहों पर लगा विराम, वैक्सीन लगवाने उमड़े लोग



रीठी जनपद की ग्राम पंचायत पिपरिया परौहा में वैक्सीनेशन कैम्प

कटनी। रीठी जनपद की ग्राम पंचायत पिपरिया परौहा में कोरोना महामारी से बचाव के लिए कोरोना वैक्सीन का टीकाकरण किया जा रहा है, जिसमें कुछ स्थानों पर वैक्सीन को लेकर तरह तरह की अफवाहें व भ्रम लोगों के बीच फैला हुआ था, किंतु रीठी जनपद की पिपरिया परौहा पंचायत ही एकमात्र ऐसी फैले भ्रम को दूर करना आदि तरह से लोगों को घर-घर जाकर प्रेरित किया गया, जिसकी वजह से आज यहां के लोगों की मानसिकता बदली हुई है और कोरोना से बचाव हेतु टीका लगवाने के लिए लोग लाइन लगाकर पहुंचे।

से बात करने पर पता चला है कि यहां के युवा समाजसेवी व जनअभियान परिषद के मंत्री गोवर्धन रजक द्वारा ग्राम में वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया, जिसमें दीवार लेखन, मास्क वितरण, सार्वजनिक जगहों पर सेनेटाइजर का छिड़काव, वैक्सीन को लेकर फेले भ्रम को दूर करना आदि तरह से लोगों को घर-घर जाकर प्रेरित किया गया, जिसकी वजह से आज यहां के लोगों की मानसिकता बदली हुई है और कोरोना से बचाव हेतु टीका लगवाने के लिए लोग लाइन लगाकर पहुंचे।



ग्राम पंचायत पिपरिया परौहा में शत प्रतिशत वैक्सीनेशन के उत्कृष्ट कार्य के लिए ग्राम आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों को उद्यानकी अधीक्षक राधे लाल नामदेव, ब्लॉक समन्वयक अरविंद शाह, मप्र जन अभियान परिषद एवं गोवर्धन रजक युवा सवेरा समिति के सौजन्य से एक पौधा देखकर सम्मानित किया गया तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण अंकुर योजना के अंतर्गत वायुदूत चर्च के बारे में जानकारी दी गई। समारोह में कोविड-19 वॉलंटियर्स मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से शरद यादव

विजय नामदेव, अब्दुल खान, लखू रजक ने सभी का उत्साहवर्धन किया। टीकाकरण में नायब तहसीलदार सुश्री निधि तिवारी, पटवारी संजीत धुर्वे, उद्यानकी विभाग से राधेलाल नामदेव, परियोजना अधिकारी अतुल, विकासखण्ड समन्वयक अरविंद शाह, कमला गुप्ता, प्रधानाध्यापक पुरोत्तम कोरी, जितेंद्र सन, संजो गोटिया, प्रकाश चौधरी, अमर बहादुर यादव, केशव यादव, जनअभियान के वॉलंटियर्स शरद यादव, अब्दुल खान व विजय नामदेव आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यदि आप तक समय पर

यशभारत

नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन:- 230033

किराये से देना है

सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति पता- बीजेपी कार्यालय के सामने जबलपुर रोड बरगवा कटनी (म.प्र.) मो. 8109417340

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग

Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902

Email : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com

जिले के सर्वप्रथम पोस्ट वेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ

विशेषताएँ

डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट वेसिक BSc. डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षों में BSc. नर्सिंग करें।

क. पाठ्यक्रम अवधि शैक्षणिक अर्हता

1 बी.एस.सी. (नर्सिंग) 4 वर्ष 12 वीं (बायोलाजी)

2 जी.एन.एम. (नर्सिंग) 3 वर्ष 12 वीं

3 पोस्ट वेसिक बी.एस.सी. (नर्सिंग) 2 वर्ष GNM उत्तीर्ण

छात्रावास एवं भोजन (भोजन) की सुविधा

जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण

मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र. मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

